# आरती श्रीपाद जी की

आरती उतारूँ मैं श्रीपाद जी की
श्रीपाद श्री वल्लभ जी की
आरती उतारूँ मैं ... ॥धृ.॥

शिव हरि ब्रह्मा त्रिदेव
मिल कर बने श्री दत्त
महा शक्ति भी हो ली साथ
चारों मिले बने श्रीपाद जी
आरती उतारूँ मैं ... ॥१॥

कलि युग में पहला अवतार
अलग है ना होगा समाप्त
भक्तों का करने को उद्धार
आये बन योगी श्रीपाद जी
आरती उतारूँ मैं ... ॥२॥

श्रीपाद करें रक्षा भक्तों की
जैसे करें पलकें नयनों की
दया सागर वे करूणानिधि
करते हैं न्याय दुष्टों का भी
आरती उतारूँ मैं ... ॥३॥

- नारायण
नृसिंह जयंती -
वैशाख शु. १४, शके १९४३
(०५/२५/२१)